HPAS (Main)—2012 ANTHROPOLOGY

Paper II

Time: 3 Hours

Maximum Marks: 150

Note: Attempt Five questions in all. Question No. 1 is compulsory. All questions carry equal marks.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न क्रमांक 1 अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

- Write short notes on any two of the following:
 - (i) Megaliths in India
 - (ii) New Forest Right Bill
 - (iii) Scheduled Areas
 - (iv) Recent trends in tribal migration.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

- (i) भारत में महापाषाण
- (ii) नवीन वन अधिकार मसौदा
- (iii) अनुसूचित क्षेत्र
- (iv) जनजातीय प्रव्रजन में नवीन प्रवृत्तियाँ।

2. Discuss the elements of Urbanism in Indus Valley
Civilization.

सिन्धु घाटी सभ्यता में नगरवाद के तत्वों की विवेचना कीजिए।

 Present an ethnographic profile of any tribe of Himalayan region.

हिमालयी प्रक्षेत्र की किसी एक जनजाति का जनवृत्तान्त प्रस्तुत कीजिए।

 Present an account of the major problems faced by the scheduled communities in India.

भारत में अनुसूचित समुदायों की प्रमुख समस्याओं का लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिये।

5. Do you think that present day tribal welfare programmes are in accordance with the Constitutional provisions?
Cite suitable examples, Why and how? Discuss.

क्या आप सोचते हैं कि वर्तमान में क्रियाशील जनजातीय कल्याण कार्यक्रम संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक हैं ? उचित उदाहरण दीजिए। क्यों और किस प्रकार ? विवेचना कीजिए।

- Distinguish between Tribal communities and Peasant communities. Select two major concepts associated with tribal studies and write notes on them.
 - जनजातीय समुदाय और खेतिहर समुदायों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। जनजातीय अध्ययनों से सम्बन्धित दो अवधारणाओं का चयन कीजिए एवं उन पर टिप्पणी लिखिए।
 - Briefly write about the development of Indian Anthropology.
 - भारतीय मानव विज्ञान के विकास के सम्बन्ध में संक्षेप में लिखिए।
 - 8. Write short notes on the following :
 - (i) Negrito elements in Indian population
 - (ii) Social Stratification among the Indian Tribes.
 निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
 - भारतीय जनसंख्या में निग्निटो के तत्व
 - (ii) भारतीय जनजातियों के मध्य सामाजिक स्तरीकरण।